जैव विविधता प्रबंधन समिति ने लगाया प्रशिक्षण शिविर, उद्देश्यों पर हुआ विमर्श

भास्कर न्यूज़ | अरवल

प्रशिक्षण शिविर में शामिल पदाधिकारी व अन्य।

बिहार राज्य जैव विविधता परिषद, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और औरंगाबाद वन प्रमंडल के सहयोग से गुरुवार को अरवल इनडोर स्टेडियम में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण स्थानीय प्रखंड और जिला स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समितियों के अध्यक्षों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता अधिनियम, 2002 और उसकी संशोधित नियमावली का परिचय देते हुए जैव विविधता प्रबंधन समितियों के उद्देश्यों, उनके कार्यों और लोक जैव विविधता पंजी के निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में जैव विविधता संरक्षण, उसके घटकों के सतत उपयोग और अनुवांशिक संसाधनों से उत्पन्न लाभों के न्यायसंगत वितरण पर विशेष जोर दिया गया। वन पदाधिकारी ने बताया कि इस तकनीकी सत्र से जैव विविधता प्रबंधन समितियों की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही, विरासत वृक्षों के सर्वेक्षण और स्थानीय आबादी के बीच जागरूकता फैलाने में मदद मिलेगी। डीएफओ ने बताया कि इस प्रशिक्षण से पौधों, खाद्य स्रोतों, वन्यजीवों और औषधीय स्रोतों की जैव विविधता का पूर्ण प्रलेखन किया जा सकेगा।